

Part – B (5 x 6 = 30)

व्याख्या कीजिए। उत्तर ४०० शब्दों से अधिक न हो।

11अ. माली आवत देखि के, कलियाँ करत पुकार।
फूली-फूली चुन लई, कलिह हमारी बार।

(या)

11आ. अति अगाध अति औथरौ नदी कूप सरवाइ।
सो ताकौ सागरु जहाँ, जाकी प्यास बुझाइ।।

12अ. पग घुँघरु बौंध मीरा नाची रे।
मीरा के प्रभु सहज मिल्लो अविनासी रे।

(या)

12आ. प्रिय बिनु नागिनि कारी रात।
सूर स्याम बिनु मुरि-मुरि लहरै खान।।

13अ. जसोदा हरि पालने झुलावै
जो सुख सूर अमर नंद भामिनि पावै।

(या)

13आ. माँगी नाव न केवट आना।
मानुष करनि मूरि कुछ अहई।।

14अ. बसो मेरे नैनन में नन्दलाल।
मीरा प्रभु सन्तन सुखदाई, भक्त बछल गोपाल।।

(या)

14आ. केसन कहा बिगारिया, जो मूँदौ सौ बार।
मन को काहे न मुडिये, जामें विषय विकार।।

15अ. मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाई परे, स्याम हरित-दुति-होई।।

(या)

15आ. सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे।
बिहँसे करुना ऐन, चितइ जानकी लखन तन।।

Part - C (5 x 12 = 60).

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर ८०० शब्दों से अधिक न हो।

16अ. भक्तिकाल की आरम्भिक परिस्थितियों का सिंहावलोकन करते हुए भक्ति प्रधान साहित्य की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

(या)

16आ. शैतिकाल की सामान्य परिस्थितियों तथा उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

17अ. अपने पाठ्यक्रम के आधार पर कबीरदास के काव्य सौष्टव का वर्णन कीजिए।

(या)

17आ. अपने पाठ्यक्रम के आधार पर केवट प्रसंग का सार लिखिए।

18अ. मीराबाई के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से लिखिए।

(या)

18आ. सूरदास के भ्रमर-गीत पदों का सार लिखिए।

19अ. शैतिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

(या)

19आ. मलिक मुहम्मद जायसी और उनके पदमावत पर एक लेख लिखिए।

20अ. राम भक्ति शाखा की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उसके प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

(या)

20आ. अष्टछाप क्या हैं? उसके कवियों का संक्षेप में परिचय दीजिए।
